दिनांक, 14 ग्रक्तूवर, 1983

सं. ग्रो.वि./एफ.डो./228-83/55911. — चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैरार्ज पी.एच. कोर्राजग्स प्लाट नं. 300, सैवटर 24, फरीदावाद के श्रमिक श्री एम. एस. शाहीद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चृंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है ;

इस लिए, ग्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254 दिनौंक 20-6-1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245 दिनांक 7-2-58 द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालाय फरीदाबाद, को विवादयस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिणंय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादयस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संवन्धित भामला है:—

क्या श्री एम. एस. शाहीद की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि/एफ.डी/145-83/55918.--चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय हैं कि मैसर्ज सुरेम्द्रा ब्रादर्ज 104 डी.एल.एफ. इन्डस्ट्रीयल ऐरिया, फरीदाबाद के श्रमिक श्री राम भूरत तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रोद्योगिक विवाद हैं;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, ग्रोद्यौगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415--3-श्रम-- 68/15254, दिनांक 20-6-1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7-2-58 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायायलय, फरीदाबाद, को विवाद ग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनिणय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबन्धित मामला है :-

क्या श्री राम भुरत की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

रा. भ्रो.वि /जी.जी.एन. / 131-83 / 55925. - चू कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. मार्कीट कमेटी पुनाहा, तहसील फिरोजपुर झिरका जिला गुड़गावां के श्रीमिक श्री राजवीर सिंह तथा उसके प्रवत्थकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले में कोई ग्रीसोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतुं निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415—3-श्रम-68/15254, दिनांक 20-6-1968 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245 दिनांक 7-2-58 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवाद ग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री राजबीर सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?